PLFS का पुनर्गठन (जनवरी 2027): गिग-श्रमिक और अवैतनिक काम को आँकड़ों में लाना

अर्थव्यवस्था / श्रम-सांख्यिकी – आंतरिक (मुख्य परीक्षा: सामान्य अध्ययन-III) | समाचार संदर्भ: 23 अक्टूबर 2026 (MoSPI/NSO प्रेस-नोट) | प्रकाशित: 24 अक्टूबर 2026

खबरों में क्यों

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने 23 अक्टूबर 2026 को आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (PLFS) के प्रश्न-पत्र और प्रच्छयन-प्रणाली में जनवरी 2027 से प्रस्तावित बदलावों पर 15 दिनों में सार्वजनिक सुझाव माँगे हैं; संकल्पना-नोट mospi.gov.in पर उपलब्ध है। यह 2017 से चले सर्वेक्षण का अब तक का व्यापकतम विस्तार है — डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों (ऐप/प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से काम पाने वाले श्रमिक) और अवैतनिक कार्यों को नियमित मापन में लाना।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

PLFS का विकास

जनवरी 2025 में प्रच्छयन-प्रणाली बदलकर मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक और उप-राज्य स्तर के अनुमान संभव हुए; शिक्षा-कौशल प्रश्न जुड़े; जनवरी 2026 से डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों (गिग श्रमिकों का उप-समूह) की जानकारी प्रयोगात्मक रूप से एकत्रित हो रही है — परंतु PLFS 2026 के अनुभव से मौजूदा व्यवस्था में पर्याप्त प्लेटफ़ॉर्म श्रमिक प्रतिनिधित्व नहीं पा सके।

प्रस्तावित बदलाव (प्रेस-नोट से)

(1) प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों हेतु नया द्वितीय-चरण स्तर (SSS — चुनाव के दूसरे चरण में बना प्रतिदर्श-वर्ग) — ग्रामीण में चार, शहरी में पाँच; प्रत्येक प्रथम-चरण इकाई (FSU — चयनित गाँव/शहरी ब्लॉक) से 14 परिवार; मौजूदा SSS संरचना यथावत। (2) शेड्यूल 0.0PL (प्रश्नावली) के ब्लॉक 5 में हाँ/ना पहचान-प्रश्न — संदर्भ-अवधि में किसी सदस्य का प्लेटफ़ॉर्म-कार्य; सभी घरों से, ताकि योग्य घर चिह्नित हों। (3) शेड्यूल 10.4 में अवैतनिक गतिविधियों के प्रश्न — स्व-उपयोग उत्पादन, अवैतनिक घरेलू व देखभाल कार्य, स्वयंसेवा, अवैतनिक प्रशिक्षु-कार्य; पहले दौरे में, 15 वर्ष से अधिक आयु, ग्रामीण-शहरी दोनों; वार्षिक रिपोर्टिंग। (4) अद्यतन फ्रेम (चुनाव-सूची का आधार) से पैनल 6 (2027-28) — नगरीय फ्रेम सर्वेक्षण, नगरीकरण-परिवर्तन, ज़िला-पुनर्गठन, ग्रामीण जनगणना-2011 फ्रेम का अनुवर्ती अद्यतन। (5) संक्रमण: पहले तीन माह दोनों फ्रेम की FSU के संयुक्त अनुमान; इस अवधि में सापेक्ष मानक त्रुटि (RSE — अनुमान की विश्वसनीयता-माप) प्रस्तुत नहीं होगी।

क्यों महत्वपूर्ण

नीति आयोग (जून 2022) के अनुसार गिग-प्लेटफ़ॉर्म कार्यबल 77 लाख (2020-21) से बढ़कर 2.35 करोड़ (2029-30) का अनुमान है — इतने बड़े वर्ग का सांख्यिकीय अदृश्य रहना सामाजिक-सुरक्षा और श्रम-नीति को आधारहीन करता है। अवैतनिक काम का लिंग-आयाम: MoSPI के समय उपयोग सर्वेक्षण (TUS) 2024 की फ़ैक्टशीट के अनुसार, 6 वर्ष या अधिक आयु के केवल उन्हीं व्यक्तियों का औसत लेने पर जिन्होंने संदर्भ-दिवस में वह गतिविधि की (अर्थात प्रतिभागियों का औसत, समस्त जनसंख्या का नहीं), महिलाओं ने अवैतनिक घरेलू कार्यों में औसत 289 मिनट प्रतिदिन (पुरुष 88 मिनट) और देखभाल कार्य में 137 मिनट (पुरुष 75 मिनट) दिए। यह "समय-गरीबी" (काम के लिए समय की कमी) पैदा करता है — श्रम बल भागीदारी दर (LFPR) में महिलाओं की कमजोर स्थिति की व्याख्या का एक मूल कारण, जो पारंपरिक "काम की तलाश" प्रश्नों में नहीं दिखता।

विश्लेषण

सांख्यिकीय दृष्टिकोण में बदलाव: प्रस्ताव "रोज़गार = वैतनिक/लाभ-कार्य" की सीमा को स्वीकारता है और अंतरराष्ट्रीय श्रम-मापन की नई दिशा (अवैतनिक सेवा-कार्य को कार्य-श्रेणी में मापना) के अनुरूप है। परंतु चुनौतियाँ हैं: संक्रमण-काल में श्रृंखला-तुलनीयता (तीन माह बिना RSE के अनुमानों की व्याख्या-सीमा); स्व-रिपोर्टेड प्लेटफ़ॉर्म-कार्य की परिभाषा-अस्पष्टता (क्या आकस्मिक एक-बार का काम भी गिना जाएगा); अवैतनिक कार्य के मौद्रिक मूल्यांकन का प्रश्न इस चरण में अनुपस्थित; नए SSS की लागत-कार्यभार।

आगे क्या देखना होगा

सुझाव-प्रक्रिया के बाद अंतिम शेड्यूल; प्लेटफ़ॉर्म-श्रमिकों के पहले आधिकारिक अनुमान; अवैतनिक-कार्य आँकड़ों का LFPR-विश्लेषण और महिला-नीति पर असर; संक्रमण-कालीन श्रृंखला की तुलनीयता पर NSO का पद्धति-नोट।

निष्कर्ष

यह सुधार आँकड़ों में नहीं, दृष्टिकोण में है — अर्थव्यवस्था का योगदान केवल वैतनिक काम से नहीं मापा जा सकता। सही मापन ही सही नीति की पहली शर्त है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

(सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3, अर्थव्यवस्था) "पारंपरिक रोज़गार-सांख्यिकी गिग-अर्थव्यवस्था और अवैतनिक कार्य को अदृश्य रखती है। PLFS के प्रस्तावित बदलावों की इस सीमा के प्रसंग में समीक्षा कीजिए।"

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: प्लेटफ़ॉर्म श्रमिकों और अवैतनिक कार्य के अपर्याप्त मापन से रोजगार-सांख्यिकी की सीमा स्पष्ट करें।

मुख्य भाग में: प्रस्तावित नए द्वितीय-चरण स्तर, पहचान-प्रश्न और अवैतनिक कार्य संबंधी प्रश्नों की उपयोगिता समझाएँ। नीति आयोग के गिग-कार्यबल अनुमान और समय उपयोग सर्वेक्षण के लिंग-अंतर से नीति की जरूरत जोड़ें। TUS के समय-आँकड़ों को केवल गतिविधि करने वाले प्रतिभागियों का औसत बताएँ। परिभाषा, लागत, श्रृंखला-तुलनीयता और शुरुआती तीन माह में RSE न होने की सीमाएँ रखें।

निष्कर्ष में: बेहतर मापन को सामाजिक-सुरक्षा और महिला श्रम-भागीदारी की नीति का आधार बताते हुए अंतिम प्रश्नावली व पद्धति की स्पष्टता की जरूरत लिखें; प्रस्ताव को लागू सुधार न बताएँ।

सीमाएँ और सावधानियाँ

तीन बातें संयत रखें। पहली, बदलाव अभी प्रस्ताव-चरण में हैं — सार्वजनिक सुझावों के बाद अंतिम प्रश्न-पत्र और प्रच्छयन-प्रणाली बदल सकती है। दूसरी, संक्रमण के पहले तीन माह के अनुमानों में सापेक्ष मानक त्रुटि (RSE) प्रस्तुत नहीं होगी — उस दौरान के आँकड़ों की व्याख्या संयत रहे। तीसरी, TUS 2024 के मिनट-आँकड़े (289/88, 137/75) केवल उन्हीं व्यक्तियों का औसत हैं जिन्होंने संदर्भ-दिवस में वह गतिविधि की — समस्त जनसंख्या का औसत नहीं।

स्रोत

- PIB/MoSPI प्रेस-नोट (pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=2327153)।
- MoSPI TUS 2024 फ़ैक्टशीट (mospi.gov.in/sites/default/files/publication_reports/TUS_Factsheet_25022025.pdf)।
- नीति आयोग रिपोर्ट (niti.gov.in/sites/default/files/2022-06/25th_June_Final_Report_27062022.pdf)।